सीरी के निदेशक डॉ चंद्रशेखर को भावभीनी विदाई

सीएसआईआर-केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान, पिलानी के निदेशक एवं भारत सरकार के वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग के अपर सचिव डॉ चंद्रशेखर 31 अक्टूबर 2015 को परिषद से सेवानिवृत्त हुए। संस्थान के सभी सहकर्मियों ने 30 अक्टूबर 2015 को मुख्य सभागार में आयोजित गरिमापूर्ण समारोह में डॉ चंद्रशेखर को भावभीनी विदाई दी। इस अवसर पर संस्थान के प्रशासनिक अधिकारी श्री रोहित गुप्ता को भी उनके सीएसआईआर मुख्यालय में स्थानांतरण पर विदाई दी गई। विदाई समारोह में डॉ चंद्रशेखर को सुगंधित पुष्प गुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया गया तथा विदाई समिति एवं संस्थान के विभिन्न विभागों/प्रभागों की ओर से शॉल, स्मृति चिह्न व उपहार आदि भेंट कर सम्मानित किया गया।

डॉ चंद्रशेखर को शॉल व सेवानिवृत्ति प्रमाण पत्र भेंट करते हुए
श्री राहुल वर्मा, कार्यकारी निदेशक, सीएसआईआर-सीरी

डॉ चंद्रशेखर, निदेशक, सीएसआईआर-सीरी, को स्मृति चिह्न भेंट करते हुए डॉ पी के खन्ना, अध्यक्ष, विदाई समारोह समिति

सभागार में उपस्थित सहकर्मियों व अतिथियों को संबोधित करते हुए **डॉ चंद्रशेखर** ने कहा कि हमारे संस्थान की कार्य संस्कृति इसकी विशिष्ट पहचान है। उन्होंने इसे बनाने में इसके सभी पूर्व निदेशकों व अन्य साथियों के योगदान को भी याद किया। उन्होंने कहा कि इसे बनाए रखने और संवर्धित करने का दायित्व हम सभी का है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि हमारे नए और युवा साथी संस्थान की यह विशिष्ट पहचान बनाए रखेंगे। उन्होंने कहा कि वे सौभाग्यशाली हैं कि उन्हें कर्मठ, ईमानदार और परिश्रमी साथी मिले। उन्होंने अपने कार्यकाल की सफलता का श्रेय अपने सभी साथियों को देते हुए आशा व्यक्त की कि भविष्य में भी परस्पर सहयोग, परिश्रम और तालमेल से कार्य करते हुए वे संस्थान को और उत्तरोत्र प्रगति के पथ पर ले जाएँगे। अंत में उन्होंने संस्थान और सभी सहकर्मियों के सुनहरे भविष्य के लिए अपनी शुभकामना दी।

विदाई समारोह में सहकर्मियों को संबोधित करते हुए
निवर्तमान निदेशक डॉ चंद्रशेखर

विदाई समारोह में सभागार में उपस्थित सहकर्मी एवं अतिथिगण

इससे पूर्व संस्थान के **हिंदी अधिकारी एवं विदाई समिति के सचिव श्री रमेश बौरा** ने समारोह का संचालन करते हुए अपने स्वागत उद्बोधन में कहा कि यह हम सभी के लिए अत्यंत गर्व की बात है कि हमें डॉ चंद्रशेखर जी के रूप में इतने सरल, सहृदय, सज्जन, मृदुभाषी, क्षमाशील, शांत, स्नेही, विनम्र निदेशक मिले और हमें उनके नेतृत्व में संस्थान की सेवा का अवसर मिला। इस अवसर पर उन्होंने संस्थान की प्रथम महिला के रूप में श्रीमती रंजना चंद्रशेखर के योगदान पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि डॉ चंद्रशेखर और श्रीमती रंजना चंद्रशेखर दोनों ही अत्यंत सौम्य, विनम्र और व्यवहार कुशल हैं और स्वभाव एवं कार्यों से एक दूसरे के पूरक हैं। उन्होंने कहा कि आप दोनों हमारे प्रेरणा स्रोत रहे हैं और रहेंगे।

डॉ चंद्रशेखर के सम्मान में आयोजित विदाई समारोह में संस्थान के **आईसी डिजाइन समूह के अध्यक्ष श्री राज सिंह, प्रमुख वैज्ञानिक** ने उनके जीवन की प्रमुख उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि डॉ चंद्रशेखर भारत में माइक्रो इलेक्ट्रॉनिक्स में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के प्रणेता हैं। इस अवसर पर उन्होंने डॉ चंद्रशेखर द्वारा अर्जित प्रमुख पुरस्कारों व सम्मानों का भी उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि 12 अक्टूबर 1951 को जन्मे डॉ चंद्रशेखर 30 अगस्त 1977 को संस्थान में वैज्ञानिक 'बी' के रूप में आए तथा विभिन्न पदोन्नतियाँ प्राप्त करते हुए 31 अक्टूबर 2003 को संस्थान के निदेशक के पद पर कार्यभार ग्रहण किया। उन्होंने कहा कि डॉ चंद्रशेखर 12 वर्ष तक संस्थान का नेतृत्व करते हुए आज अपने पद से सेवानिवृत्त हो रहे

हैं। उन्होंने डॉ चंद्रशेखर के साथ बिताए समय की मधुर स्मृतियों को भी सहकर्मियों और अतिथियों के साथ साझा किया। उन्होंने डॉ चंद्रशेखर को संस्थान के सेमिकंडक्टर डिवाइसेज़ एरिया की ओर से उनकी दीर्घ आयु, स्वास्थ्य व सुखद भविष्य के लिए शुभकामना दी।

डॉ चंद्रशेखर, निदेशक, सीएसआईआर-सीरी, की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए श्री राज सिंह, प्रमुख वैज्ञानिक

डॉ चंद्रशेखर, निदेशक, सीएसआईआर-सीरी, को शुभकामनाएँ देते हुए डॉ एस एन जोशी, पूर्व प्रमुख वैज्ञानिक

संस्थान के **पूर्व प्रमुख वैज्ञानिक डॉ एस एन जोशी** ने भी उनकी चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए उनकी व्यवहार कुशलता और सौम्य व्यवहार को रेखांकित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि डॉ चंद्रशेखर की सबसे बड़ी विशेषता यह रही है कि उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान न तो संस्थान में और न ही समाज में इस पद को कभी हावी नहीं होने दिया। उन्होंने कहा निदेशक के रूप में डॉ चंद्रशेखर का कार्यकाल हमारे संस्थान के लिए स्वर्ण युग रहा है। उन्होंने बताया कि यद्यपि डॉ चंद्रशेखर सेमिकंडक्टर क्षेत्र के विशेषज्ञ रहे हैं परंतु अपने स्वाध्यायी एवं परिश्रमी स्वभाव के कारण उन्होंने माइक्रोवेव ट्यूब्स के क्षेत्र में भी जानकारी प्राप्त की और अपने सुयोग्य नेतृत्व द्वारा हमें इस क्षेत्र में आवश्यक मार्गदर्शन और हर प्रकार का सहयोग प्रदान किया। उन्होंने आशा व्यक्त की कि आने वाले समय में हमारा संस्थान और भी अधिक उन्नति करते हुए निरंतर राष्ट्र की सेवा करता रहेगा। अंत में उन्होंने अपनी और संस्थान के माइक्रोवेव ट्यूब्स एरिया की ओर से डॉ चंद्रशेखर और उनके परिजनों के लिए स्वस्थ एवं सुखद भावी जीवन की कामना की।

श्री रोहित गुप्ता प्रशासनिक अधिकारी और **श्री महेन्द्र सिंह**, अनुभाग अधिकारी ने भी अपने संबोधनों में डॉ चंद्रशेखर के सतत मार्गदर्शन व प्रेरणा के लिए उनका आभार व्यक्त किया तथा डॉ चंद्रशेखर और उनके परिजनों को भावी जीवन के लिए शुभकामना दी। निदेशक कार्यालय में **निजी सचिव श्री सुधीर चंद्र सिंह** ने भी अपनी कविताओं के माध्यम से भावभीनी आदरांजलि दी। उन्होंने भी अपने उद्बोधन में डॉ चंद्रशेखर व उनके परिजनों के प्रति अपनी शुभेच्छा व्यक्त की।

विदाई समारोह में अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए श्री राहुल वर्मा, प्रमुख वैज्ञानिक एवं कार्यकारी निदेशक

आयोजन के अध्यक्ष एवं **कार्यकारी निदेशक श्री राहुल वर्मा** ने डॉ चंद्रशेखर के शांत एवं गंभीर व्यक्तित्व की सराहना करते हुए उनके निदेशक काल के दौरान संस्थान द्वारा अर्जित उपलब्धियों के लिए उन्हें बधाई दी। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि यद्यपि किसी भी व्यक्ति की सफलता में एक महिला का योगदान व सहयोग अवश्य रहता है परंतु डॉ चंद्रशेखर की सफलता में दो महिलाओं – उनकी माताजी और उनकी धर्मपत्नी - का योगदान व सहयोग रहा है। उन्होंने कहा कि जहाँ डॉ चंद्रशेखर की स्वभावगत विनम्रता उनके पिताजी की देन है और वहीं चारित्रिक दृढ़ता उन्हें उनकी माताजी के कारण मिली है। श्रीमती रंजना चंद्रशेखर ने उन्हें जीवन के हर क्षण मानसिक संबल प्रदान किया है। अपने संक्षिप्त उद्बोधन के अंत में उन्होंने भी डॉ चंद्रशेखर व उनके परिजनों को अपनी व संस्थान की ओर से शुभकामना दी।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए श्री रमेश बौरा, हिंदी अधिकारी एवं सचिव, विदाई समारोह समिति

अंत में श्री रमेश बौरा ने संस्थान के सभी सहकर्मियों की ओर से डॉ चंद्रशेखर के स्वास्थ्य, सुखमय जीवन व दीर्घायु होने की कामना करते हुए उनके परिजनों के सुखद भविष्य की कामना की।

इस प्रकार डॉ चंद्रशेखर को सीरी सहकर्मियों ने भावभीनी विदाई दी।